वेबिनार रिपोर्ट: विश्व आर्द्रभूमि दिवस समारोह (2026)

दिनांक: 02 फरवरी 2026

माध्यम: ऑनलाइन (वेबिनार)

आयोजक: वनस्पति विज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोंडा

मुख्य विषय (Theme): "Wetlands and Traditional Knowledge - Celebrating Cultural Heritage"

कार्यक्रम का विवरण

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोंडा के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 02 फरवरी 2026 को 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। इस वर्ष वेबिनार का मुख्य विषय **"Wetlands and Traditional Knowledge - Celebrating Cultural Heritage"** रहा। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इस पूरे कार्यक्रम का संचालन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता: प्रो. आर. के. पांडेय (प्राचार्य)

मंच संचालन: डॉ. रेखा शर्मा

मुख्य वक्ता: प्रो. अरविंद कुमार शर्मा

धन्यवाद ज्ञापन: प्रो. जितेन्द्र सिंह

कार्यक्रम की रूपरेखा एवं मुख्य वक्ता का उद्बोधन

कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक **डॉ. रेखा शर्मा** द्वारा सरस्वती वंदना और अतिथियों के स्वागत वक्तव्य के साथ हुई। डॉ. रेखा शर्मा ने ही पूरे वेबिनार का कुशल मंच संचालन भी किया।

इसके बाद मुख्य वक्ता **प्रो. अरविंद कुमार शर्मा** ने अपने मुख्य उद्बोधन से सभी को लाभान्वित किया। उन्होंने इस वर्ष की थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा:

"आर्द्रभूमि (Wetlands) न केवल हमारे पर्यावरण का फेफड़ा हैं, बल्कि यह हमारी प्राचीन संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान से भी गहराई से जुड़ी हुई हैं। सदियों से हमारे पूर्वजों के पास इन जलस्रोतों को सहेजने का पारंपरिक ज्ञान रहा है, जिसे आज की आधुनिक पीढ़ी को अपनाने की सख्त जरूरत है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाते हुए आर्द्रभूमि का संरक्षण करना होगा।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे **प्रो. आर. के. पांडेय** ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वनस्पति विज्ञान विभाग के इस प्रयास की सराहना की और छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई।

सहभागिता एवं उपस्थिति

इस ऑनलाइन वेबिनार में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुल **270 सहभागी छात्रों** ने डिजिटल माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सहयोगी शिक्षक- कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक श्री शिशिर त्रिपाठी, डॉ. संजय कुमार, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, श्री कृष्ण मोहन ,श्री ड्रिंकल यादव, श्री अमित दूबे जी उपस्थित रहे |

धन्यवाद ज्ञापन- कार्यक्रम के अंत में **प्रो. जितेन्द्र सिंह** ने मुख्य वक्ता, अध्यक्ष, सभी शिक्षक गणों, तकनीकी टीम और प्रतिभागी छात्रों का औपचारिक आभार व धन्यवाद ज्ञापन (Vote of Thanks) प्रस्तुत किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ वेबिनार के समापन की घोषणा की गई।

तकनीकी संचालन:

वेबिनार का सफल तकनीकी प्रबंधन श्री अमित दुबे द्वारा किया गया, जिससे 270 छात्रों ने बिना किसी बाधा के इस ज्ञानवर्धक सत्र का लाभ उठाया।

विश्व वेटलैंड दिवस पर एलबीएस में वेबीनार का हुआ आयोजन

गोंडा। विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा वेबीनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि वेटलैंड प्रकृति की किडनी होती है और जैव विविधता के संरक्षण के लिए इनका सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जैव विविधता वेटलैंड क्षेत्रों में पाई जाती है, जो वनस्पतियों और जंतुओं दोनों के लिए प्रमुख आवास स्थल हैं। प्रोफेसर शर्मा ने गोंडा जिले के वजीरगंज क्षेत्र स्थित पार्वती-अरगा पक्षी विहार का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां प्रत्येक वर्ष साइबेरिया सहित एशिया के विभिन्न देशों से प्रवासी पक्षी फीडिंग और ब्रीडिंग के लिए आते हैं। उन्होंने बताया कि यह वेटलैंड रामसर साइट है और इसके संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार ने वेबीनार में सहभागिता करते हुए वेटलैंड के पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी.पी. सिंह ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का आह्वान किया। आईक्यूएसी समन्वयक प्रोफेसर जितेंद्र सिंह ने चिल्का झील को विश्व का सबसे बड़ा खारा वेटलैंड बताते हुए कहा कि तटीय वेटलैंड चक्रवातों से सुरक्षा कवच का काम करते हैं। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अरगा-पार्वती वेटलैंड को जिले का गौरव बताया। वेबीनार का तकनीकी संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर अमित दुबे ने किया, जिसमें वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान व कृषि संकाय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अंत में सभी ने वेटलैंड संरक्षण का संकल्प लिया।

वेटलैंड प्रकृति की किडनी: प्रो. अरविन्द

पायनियर संवाददाता। गोंडा

❖ विश्व वेटलैंड डे पर वेबीनॉर आयोजित

वेटलैंड प्रकृति की किडनी होती है। इसका संरक्षण जैव विविधता के अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उक्त बातें श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व वेटलैंड डे पर आयोजित वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद कुमार शर्मा ने कहीं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व की जैव विविधता का 40: जैव विविधता वेटलैंड में ही पाया जाता है। यह क्षेत्र वनस्पतियों जंतुओं दोनों के लिए आवास प्रदान करने का बड़ा केंद्र होता है। उन्होंने गोंडा के वजीरगंज क्षेत्र में पार्वती अरगा पक्षी विहार वेटलैंड की चर्चा करते हुए बताया प्रति वर्ष यहां साइबेरिया एवं एशिया के विभिन्न देशों से विदेशी पक्षी फीडिंग और ब्रीडिंग के लिए आते हैं। पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस वेटलैंड का अवलोकन करने आए थे और इसके संरक्षण हेतु विभिन्न योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा हमारे गोंडा से सांसद केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह वेटलैंड के संरक्षण और संवर्धन के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं।

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार ने मुंबई से वेबीनार में सहभागिता करते हुए सभी शिक्षकों छात्र-छात्राओं को उक्त वेबीनार की शुभकामनाएं देते हुए वेटलैंड की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डाला। प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बीपी सिंह ने वेबीनार में सहभागिता कर रहे सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए वर्ल्ड वेटलैंड डे पर सभी को प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण हेतु जागरूक किया। वहीं आईक्यूएसी समन्वयक प्रोफेसर जितेंद्र सिंह ने वेटलैंड के महत्व को बताते हुए सभी छात्र-छात्राओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने का संदेश दिया।

प्रोफेसर सिंह ने अपने वक्तव्य में यह भी बताया भारतवर्ष का चिल्का लेक विश्व का सबसे बड़ा साल्टी वेटलैंड है। कोस्टल एरिया के पास समुद्र के किनारे पाए जाने वाले वेटलैंड बड़े-बड़े चक्रवातों से हमारी रक्षा करते हैं।

प्राचार्य

डॉ रेखा शर्मा

संयोजक